

निर्देशिका - 150/2020

C.R 573/2020

21.09.2020

कोशधारी अधिकृत बलराज सिंह की ओर से दायरित अपमान आवेदन दिनांक 19.09.2020 पर सुनवाई हेतु आदेशित इफ्तयाफत किया गया। सुनवाई पर अधिकृत के विपक्ष आधिकारिक न्यायालय में उपस्थित हुए।

अपमान आवेदन को प्रचालित करते हुए न्याय छत्र के विपक्ष आधिकारिक निवेदन करते हैं कि प्रार्थी अधिकृत सिविल निरीष है तथा कोई अपराध नहीं किया है। प्रार्थी अधिकृत को सामाजिक राजनीति के तहत फंसाया गया है। अन्य पक्षों के बीच जमीनी विवाद है। प्रार्थी अधिकृत के विरुद्ध लगाये गये आरोपों में से न्याय - 307, 354(ड), 379 भा.स.क्रि. की धोड़का अन्य आरोप अपमानहीन हैं न्याय - 307, 354(ड), 379 भा.स.क्रि. का आरोप मुकदमा को गम्भीर तौर के तौर से लगेया गया है। इस काल के सह अधिकृत शिवकांत सिंह के द्वारा भी प्रस्तुत काल के सुचक एवं अन्य के विरुद्ध पलटा मुकदमा निर्देशिका धाना-

लगाता।

निर्देश - 150/2020

G.R. 573/2020

संगत

21.09.2020

कॉल सं. - 151/2020 चालू - 147, 148, 149, 341, -
323, 324, 307, 379, 504 माफ करी के आर्गुमेंट
द्वारा किया गया है। प्रार्थी आलिप्तता बिना किसी
अपराध के दिनांक - 28-08-2020 से न्यायिक
आलिप्तता में जेल में है। प्रार्थी आलिप्तता उचित
प्रतिभूति का बंधन दाखिल करने को तैयार
है।

अतः प्रार्थी आलिप्तता की जमानत पर मुक्त
करने की कृपा की जाए।

आलिप्तता की ओर से सिद्धांत का आग्रह जमानत
का विरोध करते हैं।

जमानत आवेदन पर उभय पक्षों का सुनना
आलिप्तता की अवलोकन किया। आलिप्तता के अवलोकन
से स्पष्ट होता है कि प्रार्थी आलिप्तता स्व
काण्ड के प्राथमिकी तामजद आलिप्तता है तथा
आलिप्तता के विरुद्ध पारा - 147, 148, 149, 448,-
- 341, 323, 307, 354 (B), 379, 504 माफ करी
के आर्गुमेंट प्राथमिकी द्वारा की गई है। प्रार्थी आलिप्तता
दिनांक - 28-08-2020 से न्यायिक आलिप्तता में
जेल में है। प्रार्थी आलिप्तता के विरुद्ध लॉर्ड के
23 से प्रदेश के सर पर प्रारण का शीघ्र
आरोप है। जिससे प्रदेश जमानत होकर जमानत पर
गिर गया। काण्ड दैनिकी के केंद्रिका - 07 एवं 10
में प्रार्थी आलिप्तता के विरुद्ध खोज्य आया है।
प्रार्थी आलिप्तता के सिद्धांत आलिप्तता द्वारा कथन
किया गया है कि उभय पक्षों के बीच झूलन
हो गया है। परंतु सुनहरा आग्रह दाखिल
नहीं किया गया है। प्रार्थी आलिप्तता के
विरुद्ध खोज्य गये आरोपों में से पारा -
- 307, 354 (B), 379 माफ करी का आरोप



निर्देशी - 150/2020

C.R. 573/2020

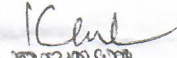
लगावती

21.09.2020

अजमावतीय तथा गम्भीर प्रकृति के हैं तथा
 धारा 307 भाग 4 के का आरोप जिला
 सत्र न्यायालय द्वारा विचारणिय हैं। प्रस्तुत
 मामले मनी अनुसंधान आहत हैं उपरोक्त
 तथ्यों तथा मामले की गम्भीरता को देखते
 हुए प्रार्थी अलिपुत्र को अमानत पर मुक्त
 करना उचित प्रतीत नहीं होता है।

अतः प्रार्थी अलिपुत्र बलराज सिंह
 को और से दसकिल अमानत अर्जदर दिनांक-
 19.09.2020 को Rejected - किया जाता
 है।

लगावती


 आर. 573/2020